Conflict Driven Frustration: A Critical Study of Psychological well-being and Academic Performance at Graduate Level.

सार

द्वन्द, कानून और व्यवस्था के मुद्दे और दंगों को मानवता के लिए खतरे के रूप में समझा जाता है, जिनकी जड़ें सभ्यता की सीमा से गहराई से जुड़ी हैं। पिछड़े और कमज़ोर समुदाय के बच्चों और शिक्षा के क्षेत्र गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे हैं, विशेषरूप से, अविकसित देशों में द्वंदों की अधिकता के कारण इनके प्रभाव लम्बे समय तक बने रहते हैं। मुख्य रूप से, शिक्षा को किसी राज्य के सांस्कृतिक और सामाजिक-आर्थिक समग्र विकास की रीढ़ माना जाता है। शिक्षा, जिसे पृथ्वी पर एक संतुलित जीवन स्थापित करने के लिए एक मजबूत साधन माना जाता है। शिक्षा, जीवन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, व्यक्ति की आंतरिक क्षमता को प्रोत्साहित करती है और जीवन में विभिन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए किसी व्यक्ति के व्यवहार को परिवर्तित करने में मदद करती है। द्वन्द, जो कॉलेज जाने वाले छात्रों के मानसिक स्थिति पर प्रभाव डालता है, जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में बाधा बन जाता है। कश्मीर क्षेत्र में चल रहे वातावरण केकारण छात्र समुदाय के संवाद और समाजिक संबंध खासा प्रभावित हुए है। संचार, सामाजिक संबंध जो जीवन के व्यवहार के तौर-तरीकों को ढालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जिन छात्रों को देश की रीढ़ की हड्डी समझा जाता है, जब उसके जीवन का चरण उस वातावरण से गुजरता है जो उनके लिए जन्मजात नहीं होता है, तो यह उनकी भलाई और उनके शैक्षणिक चक्र पर काफी प्रभाव डालता है, अंततः यह छात्र समुदाय को कुंठा में डाल देता है। इस अध्ययन में शोधकर्ता ने तीन चरों पर अध्ययन किया है। यानी स्नातक स्तर पर द्वन्द प्रेरित कुंठा, मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य और अकादमिक प्रदर्शन। शोधकर्ता ने अध्ययन के लिए 1000 प्रतिदर्श लिये है, जिसमें शोधकर्ता ने आंकड़ों के संग्रहण के लिए बहु-प्रतिदर्श तकनीक का इस्तेमाल किया है। इसके अलावा, शोधकर्ता ने आंकड़ों के संग्रहण के लिए शोध मानकीकृत अनुसंधान उपकरणों का उपयोग किया जिसमें शोधकर्ता द्वारा स्वयं एक अनुसंधान उपकरण विकसित किया गया। अध्ययन में, प्रतिगमन और सहसंबंध तकनीक को SPSS संस्करण 20 की मदद से, आंकड़ों के विश्लेषण करने के लिए प्रयुक्त किया गया। इस अध्ययन में अशक्त परिकल्पनाओं का उपयोग किया गया था और अध्ययन के परिणाम ने स्नातक स्तर पर मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य और अकादमिक प्रदर्शन के विभिन्न आयामों पर द्वन्द प्रेरित कुंठा के संबंध में अधिक प्रभाव दिखाया।

शिक्षा को पृथ्वी पर संतुलित सभ्य जीवन स्थापित करने के लिए भी ठोस उपकरणों में से एक माना जाता है। यह व्यक्ति की आंतरिक क्षमता को प्रेरित करता है ताकि वे जीवन में अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें और व्यवहार को रूपांतरित करने में भी मदद कर सकें ताकि व्यक्ति जीवन में विभिन्न चुनौतियों का सामना कर सकें। द्वन्द छात्र के

मानसिक स्थिति को प्रभावित करता है जो जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए रूकावट बन जाता है। संचार और सामाजिक संबंध जो कश्मीर क्षेत्र में चल रहे संघर्षपूर्ण वातावरण के कारण जीवन के व्यवहार तौर तरीके को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, विशेषकर छात्र समुदाय के लोगों के जीवन स्तर को प्रभावित करते हैं। जिन छात्रों को देश का मशाल वाहक माना जाता है, जब जीवन का चरण उस वातावरण से गुजरता है जो उनके लिए जन्मजात नहीं होता है, तो यह उनकी समग्र भलाई और उनकी शैक्षणिक यात्रा को प्रभावित करता है। अंततः छात्र समुदाय को कुंठा में फंसा देता है। इस अध्ययन में, शोधकर्ता ने तीन चरों पर काम किया, जो स्नातक स्तर से संबंधित छात्रों के द्वन्द प्रेरित कुंठा, मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य और अकादमिक प्रदर्शन हैं। अध्ययन के निष्कर्षों ने स्नातक स्तर पर मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य और शैक्षणिक प्रदर्शन के विभिन्न आयामों पर द्वन्द प्रेरित हताशा का महत्वपूर्ण प्रभाव दिखाया।

खासकर उत्तर भारत मे संबंधों के उतार चढ़ाव के परिणामस्वरूप, इस तरह के भयावह प्रभाव स्नातक स्तर के छात्रों के बीच मौजूद थे। अध्ययन में लगातार राजनीतिक उथल-पुथल के बीच और कुंठा के परिणामस्वरूप, कई कॉलेज जाने वाले छात्र मनोवैज्ञानिक रूप से परेशान हो गए। इससे कॉलेज जाने वाले छात्रों के बीच कुंठा की उग्रवादी प्रकृति में और वृद्धि हुई। कुंठा की उग्रवादी प्रकृति के उदय के परिणामस्वरूप, भौगोलिक क्षेत्रों के बीच सद्भाव बुरी तरह से बाधित हो गया। शैक्षिक संस्थाओं में इसका प्रभाव नज़र आता है, जब विभिन्न गैरकानूनी उग्रवादी संगठनों में शामिल होने के लिए, कॉलेज के छात्रों ने बड़े पैमाने पर कॉलेज को छोड़ना शुरू कर दिया। इसने पूरे शोध न्यायदर्श राज्य में तृतीयक श्रेणी की शिक्षा के स्तर को और खराब कर दिया। वर्तमान अध्ययन स्नातक स्तर के छात्रों के मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य और शैक्षणिक प्रदर्शन पर चल रहे द्वन्द के प्रभाव को समझने के लिए एक स्पष्ट प्रयास है।

संकेतक शब्द: द्वन्द, मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य, अकादमिक प्रदर्शन और स्नातक छात्र।

Abstract

Conflict, Law and order issues and rioting are deemed to be the looming threats to the humanity which have deep embedded roots form the threshold of civilization. Weaker communities, vulnerable group one among the children and the education arena are figuring severely and has long lasting effect by stoking conflicts specifically in the under developed countries. Primarily, education is deemed as the backbone of cultural and socio-economic holistic development of a state. Education which is considered a strong instrument in order to establish a balanced life on the earth. Education stimulates the person's inner capability in order to achieve the goal of life and helps in modifying the behavior of a person in order to face the various challenges in life. Conflict which effects on the mental setup of the college going students becomes the barrier to achieve the goals of life. Communication, Social relationship which plays significant role in molding the behavior patterns of life due to the ongoing ridden atmosphere in the Kashmir zone effects on the living patterns of individuals especially the student community. Students which are considered a back bone of the country, when the stage of life passes through that atmosphere which is not congenial for them, it significantly effects on their well-being and their academic cycle, finally it traps the student community in the frustration. In this study researcher conducted study on the three Variables i.e. Conflict Driven Frustration, Psychological well-being and Academic Performance at graduate level. Researcher took 1000 sample for the study, in which researcher used multisampling technique for the data collection. Furthermore, researcher used researcher standardized research tools for the data collection in which one research tool developed by the researcher itself. In the study regression and correlation technique was employed to analyze data with the help of SPSS version 20. Null hypotheses was used in this study and the outcome of the study showed greater effect with respect to Conflict Driven Frustration on different dimension of psychological well-being and academic Performance at graduate level.

Education, is also considered to be one of the cemented instruments in order to establish a balanced civilized life on the earth. It stimulates the inner capability of a person so that they can achieve their goals in life and also helps in modifying the behavior so as to face the various challenges in life. Conflict affects the mental makeup of students which becomes the impediment to realize the goals of life. Communication and social

relationships which plays pivotal role in shaping the behavior patterns of life due to the ongoing conflict ridden atmosphere in the Kashmir zone affects the living standards of individuals especially the student community. Students which are considered torch bearers of the country, when the stage of life passes through that atmosphere which is not congenial for them, it significantly affects their overall well-being and their academic journey. As a result, it ultimately traps the student community in frustration.

In this study, the researcher worked on the three Variables which are Conflict Driven Frustration, Psychological well-being and Academic Performance at the students belonging to graduate level. The findings of the study showed significant effect of Conflict Driven Frustration on different dimension of psychological well-being and academic Performance at graduate level.

Such dire effects was found to exist among the graduate level students as a result of see saw up and down relation of the country especially in the north of India. Amid constant political upheavels in the study and as a result of conflict, several college going students became psychologicaly disturbed. This led to further rise in the militant nature of conflict amongst the college going students. As a result of the rise of militant nature of conflict, the harmony among the geographical areas got badly disrupted. The educational institutions saw its impact when the college students started dropping out of college in mass for the sake of joining various unlawful militant organizations. This further worsened the level of tertiary education in the entire sample state. The present study is a candid effort to understand the impact of the on-going conflict on the psychological well-being and academic performance of the graduate level students.

Key words: Conflict, Psychological well-being, Academic Performance and Graduate students.